Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 13-03-2006
Participants : Salim Shri Mohammad,Malhotra Prof. Vijay Kumar,Singh Ch. Lal

an>

Title : Issue regarding refugees from Pakistan Occupied Kashmir and West Pakistan.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर) : अध्यक्ष महोदय, आपकी इजाजत से मैं सरकार का ध्यान रियासते जम्मू-कश्मीर के उन लोगों की तरफ ले जाना चाहता हूं, जो 1947 से आज तक हर हक से वंचित हैं। ये लोग पीओके और वैस्ट पाकिस्तानी रीजन के लोग हैं। हिंदुस्तान में वैस्ट पाकिस्तानी रिफ्यूजी आए, उन्हें इस देश में कम्पंसेशन दिया, रिलीफ दिया और सब कुछ दिया। उनको रिहेब्लिटेट किया, उनका एजुकेशनल डवलपमेंट किया। लेकिन जम्मू-कश्मीर में जो वैस्ट पाकिस्तानी सैटल हुए, उनको आज तक राशन नहीं मिलता, मकान नहीं मिलता। न उन्हें एजुकेशन मिलती है और न उन्हें नौकरी मिलती है। असेम्बली और पंचायत में वोट डालने का अधिकार भी नहीं है। मैं कहना चाहता हूं कि दूसरे पीओके के लोग जिस प्रोपर्टी पर बैठे हैं, ईपी लैंड पर बैठे हैं, उनको आज तक उनका मालिकाना हक नहीं मिला और पीओके से पाकिस्तानी ओकूपाइड एरिया है, वहां मंगला डैम बनाया गया है, लेकिन इन्हें कम्पंसेशन नहीं मिला। इन्हें कहा जा रहा है कि वापिस चले जाओ। । असेम्बली में इनकी 24 सीटें खाली पड़ी हैं। आज तक इनको इनका कोई शेयर नहीं मिल पाया है। मैं कहना चाहता हूं कि ये दो बड़ी एक-एक लाख की पापुलेशन है। इनमें मिजोरिटी में सिख और हिंदू हैं। ये लोग विशेा कर जम्मू-कश्मीर में रह रहे हैं और जम्मू-कश्मीर राज्य ने आज तक इन लोगों को नहीं अपनाया है। अध्यक्ष महोदय, हम गोल मेज कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। सारे प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जम्मू के उन लोगों की तीन जनरेशन हो चुकी हैं और दो बड़ी-बड़ी पॉपुलेशन हैं, उन्हें अधिकार नहीं मिले हैं, इसलिए उन्हें अधिकार दिए जाएं।

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता-उत्तर पूर्व) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विाय से मैं अपने को सम्बद्ध करता हूं।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गम्भीर विाय है। वे लोग लाखों की संख्या में हैं और उन्हें अभी तक नागरिकता भी नहीं दी गई है और न उन्हें वोट देने का अधिकार दिया गया है। इसलिए जो मामला माननीय सदस्य ने उठाया है, मैं उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं।